SISE & CTE, JABALPUR

ONLINE CLASS SESSION

- Date : 21/04/2020
- Coordinator : Smt. Bhawna Garhwal
- Class : B.Ed. 4th Sem
- Time : 12 to 12:40 PM
- Topic : Types of Visually Handicapped Children & their Education.
- TLM Used : Slides, Pictures & Diagram
- Attendance : 50 %

4. श्रवण बाधित बालक
(HEARING HANDICAPPED)

श्रवण शक्ति अधिगम, मौखिक सन्देश वाहकता, मानसिक विकास एवं भाषा विकास की सबसे सशक्त ज्ञानेन्द्रियाँ हैं। श्रवण बाधित में बालक को बोलने एवं सुनने में कठिनाई होती है। श्रवण बाधित वो बालक होते हैं जिनकी सुनने की श्रमता नष्ट हो जाती है। **किंगले एण्ड क्रेशमर** के अनुसार, ''शैक्षिक दृष्टि से क्षवण दोष मुक्त बालक भाषा ज्ञान से पूर्व अवस्था से 91 डेसीबलया उससे उच्च स्तर की संवेदना तंत्र के दोष से युक्त होते हैं।'' राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन (1991) के अनुसार, ''श्रवण बाधित उसे कहा जाता है जो सामान्य रूप से सामान्य ध्वनि को सुनने में अक्षम हो।'' **हलाहल एण्ड कोफमेन** ने श्रवण बाधिता को परिभाषित करते हुए बताया कि ''वह बालक जिसने जीवन के प्रारम्भिक दो या तीन वर्षों में श्रवण शक्ति की हानि सही हो और जिसने इसके परिणामस्वरूप स्वभाविक रूप से भाषा अर्जित न की हो वह बहरा समझा जायेगा।''

बालकों की श्रवण बाधिता में मात्रात्मक अंतर होता है। साधारणतया श्रवण बाधिता दो प्रकार की होती है–

(1) **पूर्णतया बाधित (Deaf)**—बाधित बालक 90 डेसीमल से ऊपर की आवाज भी आसानी से नहीं सुन सकते हैं। प्राय: बधिर बालक जन्मजात होते हैं। अधिकांश बधिरों में बोलने या वाणी संबंधी विकार भी पाया जाता है। ऐसे बालक श्रवण यंत्रों की सहायता से भी सुन नहीं पाते हैं।

(2) **अल्प श्रवण श्रमता वाले बालक (Hard of Hearing)**—इन बालकों को ऊँचा सुनाई देता है। इनकी समस्यायें भी बहरे बालकों से मिली-जुली ही हैं परन्तु समय पर इनके रोग की पहचान होने पर उपचार संभव है। ऐसे बालक श्रवण उपकरणों की सहायता से सुन सकते हैं।

बधिरता के कारण (Causes of Hearing Loss)—श्रवण बाधिता व्यक्ति को किसी भी अवस्था या आयु में हो सकती है। व्यक्ति के बधिर होने के अनेक कारण हैं जिसमें से निम्नलिखित मुख्य हैं—

1. निरन्तर तेज ध्वनि एवं शोरगुल के सम्पर्क में रहने से व्यक्ति की श्रवण शक्ति खराब हो जाती है।

2. गर्भधारण के प्रथम तीन माह में शिशु की ज्ञानेन्द्रियों का विकास होता है ऐसे में माँ को किसी प्रकार की बीमारी या संक्रमण होने से होने वाला बच्चा बधिर हो सकता है।

3. गर्भावस्था में माँ द्वारा मादक एवं नशीले पदार्थों के सेवन करने पर भी होने वाले बालक के श्रवण क्षमता संबंधी विकार पैदा हो जाते हैं।

4. कुछ बालकों में श्रवण संबंधी विकार वंशानुगत रूप से आते हैं।

5. बालक के किसी प्रकार की चोट लगने या किसी दुर्घटना के कारण भी श्रवण दोष हो सकते हैं।

6. कभी-कभी बालक के कान में अत्याधिक मैल जम जाने, मवाद आने या केल्सियम जमा हो जाने पर भी श्रवण श्रमता पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

7. बालक के जन्म के समय टीकाकरण न होने तथा खसरा, ज्वर, कन्फेड आदि बीमारियों के कारण भी श्रवण क्षमता बाधित हो जाती है।

श्रवण दोष वाले बालकों की शिक्षा (Education for Hearing Handicapped Children)

श्रवण क्षमता से बाधित बालकों की शिक्षा के लिए निम्नलिखित उपाय किये जाने चाहिए–

1. श्रवण क्षमता से बाधित बालक की अच्छे चिकित्सक की सलाह पर उपचार कराना चाहिए।

2. कम सुनने वाले बालकों को कक्षा में आगे की पंक्ति में बैठाना चाहिए।

3. बाधित बालकों को विशेष विद्यालय में भेजना चाहिए जहाँ पर विशेष रूप से प्रशिक्षित अध्यापक विशेष विधियों का प्रयोग करके उनका शिक्षण कराते हैं।

4. श्रवण अक्षम बालकों में प्राकृतिक भाषा का विकास कराना चाहिए।

5. ऐसे बालकों को विद्यालय में ओष्ठ द्वारा पढ़ने का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए।

6. श्रवण बाधिता वाले बालकों का समाज में उचित समायोजन के कारण हंसी–मजाक नहीं उड़ाना चाहिए।

7. श्रवण संबंधी विकार वाले बालकों को कक्षा में खिड़कियों के पास नहीं बैठाना चाहिए।

8. श्रवण दोष वाले बालकों के कानों में श्रवण क्षमता को बढ़ाने वाले उपकरणों का प्रयोग करना चाहिए।

9. श्रवण बाधिता वाले बालकों को प्राकृतिक चीजों के बारे में अधिक से अधिक समझाकार एवं दिखाकर पढ़ाना चाहिए।

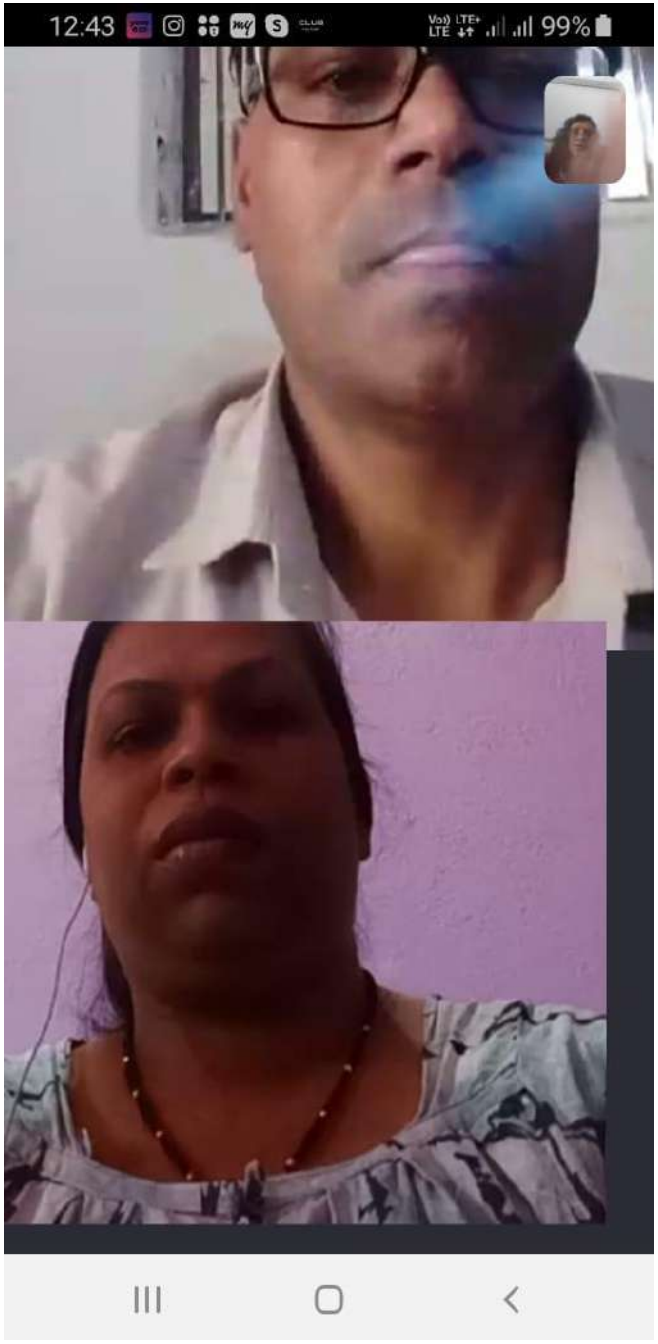
12:43
99%